अध्यापन क्षेत्र मे करियर

इन दिनों टीचिंग में रोजगार के बढ़ते अवसरों को देखते हुए बैचलर ऑफ एजुकेशन (बीएड) कोर्स की डिमांड हर जगह बढ़ रही है। इसी कारण योग्य और प्रशिक्षित शिक्षकों की मांग लगातार बढ़ रही है। शिक्षण में करियर बनाने के लिए एनटीटी, ईटीटी, बीटीटी या बीएड-एमएड होना जरूरी है। उच्च शिक्षा के लिए एमएड, एमफिल और पीएचडी की डिग्रियां आगे बहुत काम आती हैं। वैसे तो टीचर ट्रेनिंग के कोर्स में नर्सरी टीचर ट्रेनिंग, एलीमेंट्री टीचर्स ट्रेनिंग तथा बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन मुख्य हैं।

एनटीटी, बीटीटी और ईटीटी सरीखे प्रारंभिक पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त बैचलर ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन (बीएलएड) डिग्री कोर्स भी स्कूली शिक्षा के तुरंत बाद किया जा सकता है। शिक्षक प्रशिक्षण के दो विकल्प आम छात्रों के पास होते हैं। अगर स्नातक के बाद बीएड की डिग्री हासिल की हो तो आप टीजीटी यानी ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर कहलाएंगे, जबकि स्नातकोतर के बाद बीएड किया हो, तो पीजीटी यानी पोस्ट ग्रेजुएट टीचर कहलाते हैं।

टीचिंग स्टेप बाई स्टेप

टीचिंग जॉब्स के कई पहलू हैं, इसीलिए टीचिंग डिग्री के साथ इसके विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग स्किल्स भी आवश्यक होते हैं। टीचिंग में स्पेशलाइजेशन के लिए नर्सरी स्कूल्स, मिडिल स्कूल्स, हाई स्कूल्स, कॉलेज, यूनिवर्सिटीज, इंस्टीटयूटस, स्पेशल स्कूल्स आदि के क्षेत्र हैं। हर स्तर पर आपके उस स्तर के उपयुक्त स्किल्स की भी ट्रेनिंग लेनी होगी। यूनिवर्सिटी स्तर पर अगर आप टीचिंग करना चाहते हैं, तो यह जान लीजिए कि इसकी व्यावहारिक रूपरेखा तय की जाती है भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले शिक्षा विभाग के यूनिवर्सिटी ऑफ ग्रांट कमीशन की ओर से। कॉलेज व विश्वविद्यालय में टीचिंग करने के लिए क्रमवार पद निर्धारित किए गए हैं।

टीचर्स की डिमांड

वैसे, आज स्किल्ड टीचर्स की डिमांड भारत में ही नहीं, बल्कि विदेश में भी खूब है। अमेरिका जैसे देश में भी अब फुलटाइम हिन्दी टीचर्स की डिमांड काफी है। एक अनुमान के मुताबिक, अमेरिका में सात लाख टीचिंग इंस्ट्रक्टर की कमी महसूस की जा रही है। यूके और कनाडा जैसे देश में भी इंडियन टीचर्स की मांग बढ़ रही है। खासकर इन देशों में साइंस, इंग्लिश और मैथ टीचर्स की मांग ज्यादा है। यदि गल्फ कंट्री की बात करें, तो सऊदी अरबिया, दुबई, ओमान आदि जैसे देशों में भी इंडियन टीचर्स की काफी डिमांड देखी जा रही है। एक अनुमान के मुताबिक, आने वाले दस वर्षों में इंटरनेशनल एजुकेशन इंडस्ट्री में 2.2 मिलियन से 2.4 मिलियन टीसर्च की जरूरत होगी।

स्कूल लेवल टीचिंग

स्कूल लेवल पर टीचिंग के लिए कई स्तरों पर अवसर हैं। जैसे कि प्राइमरी, सेकंडरी, हायर सेकंडरी, स्पोर्ट्स, फिजिकल एजुकेशन टीचर आदि। टीचिंग में अच्छा खासा अनुभव होने के बाद आप प्रिंसीपल बन सकते हैं।

कॉलेज लेवल टीचिंग

अगर आप आर्ट्स, साइंस, सोशल साइंस, कामर्स, एजुकेशन, फिजिकल एजुकेशन, फॉरेन लैंग्वेज और लॉ विषयों में पोस्ट ग्रेजुएट हैं तो इस क्षेत्र में करियर बना सकते हैं। इसके साथ यूजीसी, सीएसआईआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट या ऐसे ही अन्य टेस्ट्स क्लीलिफाई करके या पीएचडी करने के बाद भी आप लेक्चरर बन सकते हैं। इसके लिए आपका एजुकेशनल रिकार्ड अच्छा होना बहुत ही जरूरी है। नेशनल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत संबंधित विषय में कम से कम 55 फीसदी अंकों से मास्टर्स लेवल की डिग्री प्राप्त करना योग्यता की शर्त होती है। फॉरेन यूनिवर्सिटी से समकक्ष डिग्री लेकर भी आप इस स्तर की टीचिंग में आ सकते हैं। सीनियर स्केल पर लेक्चरर बनने के लिए आपके पास रेगुलर अपॉइंटमेंट मिलने के बाद आठ साल का अनुभव अन्य कई योग्यता शर्ते होती हैं।

ट्रेनिंग

ट्रेनिंग के आप विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराए जा रहे जा रहे अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन, प्रीस्कूल एजुकेशन की ट्रेनिंग भी ले सकते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी में इसी तरह का बीएलएड कोर्स चलाया जाता है। इनके अलावा टीजीटी व पीजीटी ग्रेड पर टीचिंग के लिए कोशिश कर सकते हैं। ग्रेजुएट्स के लिए टीजीटी यानी ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर बनने के लिए आप ग्रेजुएशन के बाद एक साल का बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी.एड) कर सकते हैं। लगभग हर प्रमुख यूनिवर्सिटी में बीएड का कोर्स चयन परीक्षा के माध्यम से उपलब्ध है। वहीं पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद बीएड करने पर आप पीजीटी ग्रेड के टीचर बन सकते हैं। फिजिकल एजुकेशन में मास्टर्स या बैचलर कोर्स करके आप डिग्री के आधार पर मिले ग्रेड पर स्पोर्ट्स टीचर बन सकते हैं।

यह सही है कि शिक्षण के दौरान नई तकनीक से सामंजस्य स्थापित कर लिया जाता है, पर एनसीटीई से मान्यताप्राप्त बीएड संस्थानों में अब शिक्षण का आधार वैज्ञानिक हो गया है। अब इन संस्थानों में कंप्यूटर, इंटरनेट, मनोवैज्ञानिक प्रयोग, पाठ सहगामी क्रियाएं और ट्यूटोरियल्स अनिवार्य कर दिए गए हैं। इससे बीएड का पाठ्यक्रम बदलती चुनौतियों के अनुरूप हो गया है। बीएड के एसपिरेंट्स को प्रोस्पेक्ट्स का गहन अध्ययन करना चाहिए। उन्हें अपने विषय का सम्यक ज्ञान होना चाहिए। लेखन और साक्षात्कार पर ध्यान केंद्रित करना काफी सहायक होता है।

परीक्षा व काउंसिलिंग

बीएड के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता 45-50 फीसदी अंकों के साथ स्नातक है। सभी संस्थानों में बीएड में चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। सामान्य अध्ययन, विषयगत प्रश्नपत्र और टीचिंग एप्टीट्यूड टेस्ट की परीक्षा देनी होती है। सभी प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकार के होते हैं। लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। सिर्फ यूपी की बात करें, तो यहां बीएड की एकीकृत परीक्षा छत्रपति साहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा संचालित की जाती है। अन्य कुछ राज्यों में भी ऐसी ही एकीकृत परीक्षा ली जाती है। परीक्षाफल के प्रकाशन के बाद काउंसिलिंग की जाती है, जिसमें सर्टिफिकेट्स की जांच, तत्पश्चात मेरिट के आधार पर कॉलेज का आवंटन किया जाता है।

पाठ्यक्रम

बीएड के पाठ्यक्रम की अवधि एक वर्ष की होती है। कुछ विश्वविद्यालयों में दो वर्ष का पाठ्यक्रम भी संचालित है, जिसमें किसी मान्यताप्राप्त संस्थान में शिक्षक के रूप में दो वर्ष का अनुभव प्रमाणपत्र भी देना होता है।

रोजगार के अवसर

केंद्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, राज्य सरकार तथा निजी क्षेत्र द्वारा संचालित स्कूल में तो समय-समय पर वैकेंसी निकलती ही रहती है, इसके अलावा, गल्फ तथा अरेबियन कंट्रीज में भी बीएड डिग्री धारकों की मांग हाल के दिनों में बढ़ी है। करियर के आरंभिक दौर में दस हजार से शुरुआत होकर जैसे-जैसे पदोन्नति होती जाती है, वेतन बढ़ता जाता है।

शिक्षण संस्थान

देशभर में सरकारी और प्राइवेट मिलाकर सैकड़ों संस्थान हैं, जो बीएड की डिग्री देते हैं। पर जहां तक हो सके मान्यता प्राप्त संस्थान से ही यह पाठ्यक्रम करना चाहिए। दिल्ली विवि के सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन देश में बीएड करानेवाला शीर्षस्थ संस्थान है। दिल्ली विवि के अंतर्गत तीन संस्थान हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है।

- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, डिपार्टमेंट ऑफ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली, दिल्ली
- कानपुर विश्वविद्यालय
- लखनऊ विश्वविद्यालय
- इंदौर विश्वविद्यालय
- महर्षि वाल्मीकि कॉलेज ऑफ एजुकेशन, गीता कॉलोनी, दिल्ली।
- हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
- जम्मू-कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू
- कोटा ओपन यूनिवर्सिटी, जयपुर,
- भोज ओपेन यूनिवर्सिटी, मध्यप्रदेश

- सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी,पुणे
- मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई
- आंध्र विश्वविद्यालय, आंध्रप्रदेश
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
- महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नाशिक
- गोवा यूनिवर्सिटी, गोवा
- कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन , विलेज करोनी , नरेला

★ **अधिक जानकारी के लिए आप निम्न साइट्स पर विजिट कर सकते हैं..**

http://www.ncert.nic.in	National Council of Educational Research and Training (NCERT)
http://www.ercncte.org	National Council for Teacher Education, Eastern Regional Committee (ERC)
http://www.nctewrc.co.in	National Council for Teacher Education (NCTE), Western Regional Committee, Bhopal
http://www.riebhopal.org/	Regional Institute of Education (RIE), Bhopal
http://www.sakshat.ac.in	Sakshat - Education Portal, Government of India
http://www.riemysore.ac.in	The Regional Institute of Education Mysore
http://www.tnteu.in	Tamil Nadu Teachers Education University
http://www.aicte-india.org	All India Council of Technical Education (AICTE)
http://www.ciet.nic.in	Central Institute of Educational Technology (CIET)
http://www.ceeindia.org	Centre for Environment Education (CEE), Nehru Foundation for Development, Ahmedabad
http://www.iite.ac.in	Indian Institute of Teacher Education (IITE), Gandhinagar, Gujarat
http://www.nuepaeduplan.nic.in	Learning Portal - National University of Educational Planning and Administration (NUEPA), New Delhi
http://www.edcilindia.co.in	Educational Consultants India Limited (EDCIL)
http://www.mscert.org.in	Maharashtra State Council of Education Research and Training (D T Ed and B Ed Admission)
http://www.educationaljobsinindia.com/	Educational Jobs in India
http://valueeducation.nic.in	National Resource Centre for Value Education
http://www.rieajmer.ac.in/	The Regional Institute of Education , Ajmer
http://www.pptijabalpur.nic.in	Government Pre-primary Training Institute, Jabalpur, Madhya Pradesh.
http://www.isquareit.ac.in	IGNOU – I2IT Centre of Excellence for Advanced Education and Research, Pune
www.teflcourse.in/	International Teacher Training Course
http://niepmd.tn.nic.in/	Mulitple disability Training & Courses
www.akanksha.org/	Mulitple disability Training & Courses
www.nimhindia.org/	National Institute for the Mental Handicapped, Govt. of India. Educational Diploma and Courses.